शुक्रवार
13 नवम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 292
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लूट या कहानी में झोल ?

◆बजरंग दल ने मांगी सीबीआई जांच

हमारे संवाददाता

देहरादूनं। राजधानी देहरादून के पटेलनगर क्षेत्र में 14 लाख रुपये की लूट के मामले में बजरंग दल से जुड़े सिद्धांत बडोनी की गिरफ्तारी को लेकर विवाद सामने आया है। बजरंग दल ने प्रेस वार्ता आयोजित कर पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सिद्धांत बडोनी को इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। साथ ही उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई से कराने की मांग उठाई है।



जानकारी के अनुसार, पटेलनगर क्षेत्र में हुई 14 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने सिद्धांत बडोनी की कथित संलिप्तता सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया था। पुलिस की कार्रवाई के बाद यह मामला चर्चा में आ गया। सिद्धांत बडोनी के बजरंग दल से जुड़े होने के कारण संगठन ने अब उसकी गिरफ्तारी और पुलिस की जांच प्रक्रिया को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है।

प्रेस वार्ता के दौरान बजरंग दल के पदाधिकारियों ने दावा किया कि सिद्धांत बडोनी को लूट के मामले में बेवजह फंसाया जा रहा है। संगठन ने पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते समय तथ्यों और साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पदाधिकारियों ने मामले में बडोनी की भूमिका की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच कराने की मांग की।

बजरंग दल ने आरोप लगाया कि सिद्धांत बडोनी की गिरफ्तारी के दौरान निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। संगठन का कहना है कि पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में विधिक प्रावधानों के अनुपालन को लेकर कई सवाल हैं। हालांकि, संगठन की ओर से लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामले में शामिल होने का आरोप है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष जांच और ठोस साक्ष्यों के आधार पर ही होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि सिद्धांत बडोनी की गिरफ्तारी से लेकर अब तक हुई पुलिस कार्रवाई की समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित व्यक्ति के कानूनी अधिकारों का उल्लंघन न हुआ हो।

प्रेस वार्ता में बजरंग दल ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। संगठन का कहना है कि स्वतंत्र जांच एजेंसी के माध्यम से मामले की जांच होने पर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने में मदद मिल सकती है। पदाधिकारियों ने दावा किया कि इससे सिद्धांत बडोनी की कथित संलिप्तता और पुलिस की कार्रवाई से जुड़े सवालों का समाधान हो सकेगा।

भाजपा विधायक के बयान पर भड़की कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय और कथित वीआईपी की पहचान उजागर करने की मांग को लेकर जारी सियासी घमासान अब एक नए विवाद में उलझ गया है। इस बार विवाद का केंद्र अंकिता के परिवार को सरकार की ओर से दी गई आर्थिक सहायता है। भाजपा विधायक दिलीप रावत की ओर से परिवार को सरकारी मदद ठुकराने की सलाह दिए जाने पर कांग्रेस भड़क उठी है। कांग्रेस ने इसे भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता बताते हुए सवाल किया है कि क्या अंकिता के परिवार को मुआवजा इस शर्त पर दिया गया था कि वह कथित वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग नहीं करेगा?

लैंसडाउन से भाजपा विधायक दिलीप रावत ने अंकिता भंडारी प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि अंकिता के माता-पिता सरकार की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं और उन्हें न्याय नहीं मिला है तो उन्हें सरकार की ओर से दी गई आर्थिक सहायता भी स्वीकार नहीं करनी चाहिए। उनका



कहना था कि यदि परिवार केवल न्याय चाहता है तो उसे सभी सरकारी सहायता ठुकराकर अपनी मांग पर कायम रहना चाहिए। दिलीप रावत ने यह भी कहा कि वह अन्याय के खिलाफ अंकिता के परिवार के साथ खड़े हैं और सरकार को परिवार की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। हालांकि, उनके इस बयान का राजनीतिक अर्थ कुछ और ही निकाला जा रहा है। सवाल यह है कि अंकिता के परिवार

◆अंकिता के परिवार को मिली आर्थिक सहायता पर लैंसडाउन विधायक दिलीप रावत ने उठाए सवाल

◆सूर्यकांत धस्माना का पलटवार- मुआवजा भाजपा की तिजोरी से नहीं, जनता की गाढ़ी कमाई से दिया

की न्याय की मांग को सरकारी सहायता स्वीकार करने या ठुकराने से क्यों जोड़ा जा रहा है?

भाजपा विधायक के बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दिलीप रावत का बयान घाव पर नमक छिड़कने जैसा है और यह भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता को उजागर करता है। धस्माना ने सवाल उठाया कि भाजपा स्पष्ट करे कि क्या अंकिता भंडारी के परिवार को मुआवजा इस शर्त पर दिया गया था कि वह हत्याकांड में कथित रूप से शामिल वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग नहीं करेगा? उन्होंने कहा कि सरकार ने जो आर्थिक सहायता दी है, वह भाजपा के खाते से नहीं बल्कि सरकारी खजाने से दी गई है। इसमें जनता की खून-पसीने की कमाई लगी है। भाजपा को यह समझना चाहिए कि जनता के पैसे से किसी पीड़ित परिवार की मदद करना सरकार का दायित्व है, कोई एहसान नहीं।

धस्माना ने आरोप लगाया कि भाजपा बार-बार किसी न किसी बहाने अंकिता भंडारी हत्याकांड के कथित वीआईपी को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिलता और मामले के सभी सवालों का जवाब सामने नहीं आता। दरअसल, अंकिता भंडारी हत्याकांड में अदालत रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों को आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है। इसके बावजूद कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठ रहे सवाल राजनीतिक विवाद का केंद्र बने हुए हैं। अंकिता के माता-पिता लगातार इस मामले में कथित वीआईपी की भूमिका की निष्पक्ष जांच और उसका नाम सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं। हाल के घटनाक्रम में उन्होंने दिल्ली के इंडिया गेट पर भी प्रदर्शन किया था। उनकी मांगों में कथित वीआईपी से जुड़े सवालों की जांच और दुष्यंत गौतम को सिक्किम के राज्यपाल पद से हटाने की मांग भी शामिल रही है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्ता की जागीर

देश की राजनीति में इन दिनों संविधान और लोकतंत्र की दुहाई देने का एक अजीब चलन चल पड़ा है। सत्ता पक्ष विपक्ष पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाता है और विपक्ष सत्ता पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कुचलने का। हर कोई संविधान का सबसे बड़ा रक्षक होने का दावा करता है, लेकिन इस दावे के बीच संविधान की मूल भावना कहीं पीछे छूटती दिखाई देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा है कि कुछ लोग समझते हैं कि देश का संविधान और लोकतंत्र उनकी जेब में है। प्रधानमंत्री का यह बयान राजनीतिक रूप से विपक्ष पर हमला हो सकता है, लेकिन इसके भीतर एक बड़ा सवाल भी छिपा है। आखिर लोकतंत्र किसी की जेब में है किसके पास? क्या केवल विपक्ष को संविधान की मर्यादा याद रखने की जरूरत है या सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है? संविधान न किसी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति है, न किसी नेता की विरासत और न ही सत्ता में बैठे लोगों का ऐसा अधिकारपत्र, जिसे अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल किया जा सके। संविधान देश के नागरिकों का भरोसा है। यह सत्ता को अधिकार देने से ज्यादा उस पर नियंत्रण रखने का दस्तावेज है। यह बताता है कि सरकार कितनी ताकतवर हो सकती है और उसकी ताकत की सीमा कहां से शुरू होती है। इसलिए संविधान की रक्षा का दावा करने वाले हर व्यक्ति और संस्था को पहले यह समझना होगा कि संविधान सत्ता की सुविधा के लिए नहीं, नागरिकों की स्वतंत्रता और अधिकारों की सुरक्षा के लिए बना है। प्रधानमंत्री का विपक्ष पर निशाना साधना राजनीतिक लोकतंत्र का हिस्सा है। विपक्ष की आलोचना करना, उसके दोहरे रवैये को उजागर करना और उसकी राजनीतिक जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। लेकिन लोकतंत्र में सवाल केवल विपक्ष से नहीं पूछे जाते। सत्ता से सवाल पूछना तो लोकतंत्र की पहली शर्त है। जो विपक्ष से सवाल पूछने का अधिकार छीनना चाहता है, वह लोकतंत्र की आत्मा को ही कमजोर करता है। और जो सत्ता से सवाल पूछने को देशविरोध या व्यवस्था विरोध बताने लगे, उसे भी संविधान की प्रस्तावना एक बार फिर पढ़नी चाहिए। विडंबना यह है कि देश में संविधान अब राजनीतिक हथियार बनता जा रहा है। चुनाव आते ही संविधान खतरे में होने की घोषणाएं तेज हो जाती हैं। कभी संविधान बदलने की आशंका दिखाई जाती है, कभी संविधान बचाने के नाम पर राजनीतिक लामबंदी होती है। सत्ता पक्ष अपने विरोधियों को संविधान विरोधी बताता है तो विपक्ष सरकार को लोकतंत्र का दुश्मन घोषित कर देता है। दोनों तरफ आरोपों की आवाज इतनी ऊंची है कि संविधान की वास्तविक चिंता सुनाई ही नहीं देती। सवाल यह नहीं है कि संविधान की किताब किसके हाथ में है, सवाल यह है कि उसकी भावना किसके आचरण में है। संसद में बहुमत होना संविधान से ऊपर होने का प्रमाणपत्र नहीं है। इसी तरह विपक्ष में होना किसी को स्वत: लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रहरी नहीं बना देता। लोकतंत्र में संख्या का महत्व है, लेकिन संख्या ही संपूर्ण लोकतंत्र नहीं है। बहुमत सरकार बनाता है, मनमानी करने का लाइसेंस नहीं देता। विपक्ष का काम सरकार को घेरना है, लेकिन विरोध के नाम पर हर संस्थागत प्रक्रिया को बाधित करना भी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी नहीं हो सकती। संविधान की सबसे बड़ी ताकत उसकी संस्थाएं हैं। संसद, न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग, जांच एजेंसियां और मीडिया लोकतांत्रिक व्यवस्था के अलग-अलग स्तंभ हैं। इनकी स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर जनता का भरोसा बना रहना जरूरी है। जब किसी संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं तो उन सवालों का जवाब तर्क, पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच से दिया जाना चाहिए, न कि सवाल पूछने वालों को कटघरे में खड़ा करके। लोकतंत्र में संस्थाओं की विश्वसनीयता सरकार की छवि से बड़ी होती है। इसी तरह विपक्ष को भी यह समझना होगा कि संविधान केवल चुनावी भाषणों में इस्तेमाल होने वाला शब्द नहीं है। संविधान बचाने की जिम्मेदारी केवल रैलियों, यात्राओं और नारों से पूरी नहीं होती। विपक्ष को अपने आचरण में भी लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करना होगा। राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र कितना है? उम्मीदवारों का चयन किस आधार पर होता है? नेतृत्व के फैसलों में कार्यकर्ताओं की कितनी भागीदारी है? क्या असहमति को स्वीकार किया जाता है? इन सवालों से विपक्ष भी बच नहीं सकता। लेकिन सत्ता की जिम्मेदारी कहीं अधिक बड़ी है। क्योंकि सत्ता के पास निर्णय लेने की ताकत, संसाधन और संस्थागत अधिकार होते हैं। इसलिए उससे जवाबदेही की अपेक्षा भी अधिक होती है। संसद में बहस हो, विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिले, मीडिया सवाल पूछ सके, नागरिक असहमति व्यक्त कर सकें और संस्थाएं बिना दबाव अपना काम कर सकें, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। केवल चुनाव जीतना लोकतंत्र की संपूर्णता नहीं है। लोकतंत्र चुनाव से शुरू होता है, लेकिन उसकी असली परीक्षा चुनाव के बाद होती है। भारत का संविधान किसी एक पीढ़ी या किसी एक राजनीतिक दल की देन नहीं है। यह स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, बहसों, असहमतियों और सामाजिक न्याय के संकल्प से निकला दस्तावेज है। इसे बनाने वालों ने सत्ता के केंद्रीकरण से बचने के लिए अधिकारों और संस्थाओं के बीच संतुलन बनाया। उन्होंने यह व्यवस्था इसलिए नहीं बनाई थी कि भविष्य में कोई नेता या दल खुद को संविधान का मालिक समझने लगे। संविधान का मूल संदेश ही यह है कि देश किसी व्यक्ति की इच्छा से नहीं, कानून और संस्थागत मर्यादाओं से चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि कुछ लोग संविधान और लोकतंत्र को अपनी जेब में समझते हैं, विपक्ष के लिए राजनीतिक संदेश हो सकता है। लेकिन इस कसौटी पर सत्ता को भी खुद को परखना चाहिए। लोकतंत्र में सबसे खतरनाक स्थिति वह होती है, जब सत्ता अपने हर फैसले को राष्ट्रहित और विरोध के हर स्वर को राजनीति मानने लगे। इसी तरह विपक्ष भी जब अपनी हर आलोचना को लोकतंत्र की रक्षा और अपनी हर विफलता को सत्ता की साजिश बताने लगे तो वह जनता के भरोसे को कमजोर करता है।

सीएम की कुर्सी नहीं, सत्ता वापसी है प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में चुनाव से पहले मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर होने वाली चर्चाएं नई नहीं हैं। कांग्रेस में भी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर अंदरखाने हलचल बनी हुई है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने प्रदेश कांग्रेस की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। हरीश रावत ने साफ कर दिया है कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं। उनका पहला और एकमात्र मकसद 2027 में उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनाना है। यदि पार्टी बहुमत हासिल करती है तो उन्हें मुख्यमंत्री या किसी अन्य पद की कोई आकांक्षा नहीं है।

हरीश रावत का यह बयान महज पद की दावेदारी छोड़ने का ऐलान नहीं है। इसके राजनीतिक मायने कहीं अधिक गहरे हैं। पिछले कुछ समय से कांग्रेस की राजनीति में उनकी भूमिका, पार्टी नेतृत्व के साथ उनके रिश्तों और चुनाव में उनकी जिम्मेदारी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे समय में खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर बताकर हरदा ने एक तरफ पार्टी नेतृत्व को संदेश दिया है तो दूसरी तरफ अपनी राजनीतिक उपयोगिता को चुनावी अभियान से जोड़ने की कोशिश भी की है। हरीश रावत ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर उनके नाम की चर्चाएं बेवजह हैं। पार्टी में इस पद के लिए कई योग्य और सक्षम नेता हैं। उनका लक्ष्य 2027 में भाजपा सरकार को हटाकर कांग्रेस की सरकार बनाना है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा



◆हरीश रावत बोले- कांग्रेस की सरकार बनाना ही मकसद
◆मुख्यमंत्री पद या किसी दूसरे पद की कोई आकांक्षा नहीं
◆45 सीटों का लक्ष्य व राहुल के हाथ में सीएम का फैसला

कि कांग्रेस ने उन्हें बूथ स्तर के कार्यकर्ता से लेकर केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री तक बनने का अवसर दिया। अब किसी पद की आकांक्षा नहीं है।

हरीश रावत ने कांग्रेस के सामने चुनावी लक्ष्य भी रखा है। उनका कहना है कि पार्टी को पहले कम से कम 45 सीटों का आंकड़ा पार करने पर ध्यान देना चाहिए। जब विधायक चुनकर विधानसभा पहुंच जाएंगे, उसके बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी करेंगे। इस बयान में हरदा ने दो बातें स्पष्ट की हैं। पहली, मुख्यमंत्री पद को लेकर अभी से दावेदारी की राजनीति में उलझने के बजाय पार्टी को चुनाव जीतने पर ध्यान देना चाहिए। दूसरी, चुनाव के बाद नेतृत्व का फैसला केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ना चाहिए। हालांकि, उत्तराखंड कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरों को लेकर चर्चाएं लगातार चल रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और अन्य वरिष्ठ नेताओं की अपनी-अपनी राजनीतिक हैसियत है। ऐसे में हरीश रावत का यह बयान कांग्रेस की भावी नेतृत्व व्यवस्था के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हरीश रावत की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि वह केवल बयान देने वाले नेता नहीं हैं। वह अपने राजनीतिक संदेश को खास अंदाज में सामने रखते हैं। पिछले कुछ महीनों में उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच कई मौकों पर असहज स्थिति बनी है। हरीश रावत ने अपनी धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा शुरू की थी, जबकि पार्टी नेतृत्व की ओर से व्यक्तिगत अभियान को लेकर असहमति जताई गई थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी स्पष्ट संदेश दिया था कि पार्टी में व्यक्तिगत अभियान स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसके बाद पार्टी की चुनावी तैयारियों को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठकों में भी हरीश रावत की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी। पार्टी ने गणेश गोदियाल को प्रदेश अध्यक्ष, प्रीतम सिंह को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष और हरक सिंह रावत को चुनाव प्रबंधन समिति की जिम्मेदारी देकर अलग-अलग नेताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है।

ऐसे घटनाक्रमों के बीच हरीश रावत का मुख्यमंत्री पद से खुद को अलग करना महत्वपूर्ण है। क्या वह पार्टी नेतृत्व को यह बताना चाहते हैं कि उन्हें किसी पद की जरूरत नहीं, लेकिन चुनाव में उनकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता? या फिर वह वास्तव में अपनी राजनीति को सत्ता की दावेदारी से ऊपर रखकर कांग्रेस की वापसी के अभियान में लगाना चाहते हैं? यह सवाल अब पार्टी के भीतर भी चर्चा का विषय रहेगा। हरीश रावत का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव से भरा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'आप' ने शुरू किया 'हर घर नमस्कार' अभियान!



हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देते हुए आम आदमी पार्टी, देहरादून ने शरद जैन के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान 'हर घर नमस्कार अभियान' की शुरुआत की। इस अभियान के तहत पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बूथ 120-121 देहरादून कैंट श्री देव सुमन नगर में घर-घर जाकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और आम आदमी पार्टी की नीतियों, विचारधारा तथा भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड के संकल्प को जनता तक पहुंचा रहे हैं।

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने शरद जैन का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें अपना बेटा बताते हुए अपना स्नेह एवं समर्थन व्यक्त किया। कई स्थानीय नागरिकों ने उन्हें क्षेत्र की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने वाले जनसेवक के रूप में संबोधित किया। जनसंपर्क के दौरान लोगों ने अपनी स्थानीय समस्याओं, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और प्रदेश में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर अपनी चिंताएं साझा कीं। लोगों का कहना था कि भाजपा और कांग्रेस दोनों से जनता का भरोसा कमजोर हुआ है और प्रदेश को अब एक ईमानदार एवं जवाबदेह राजनीतिक विकल्प की आवश्यकता है।

शरद जैन ने कहा कि आम आदमी पार्टी का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि उत्तराखंड की राजनीति में ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा की नई मिसाल कायम करना है। हमारा संकल्प है कि जनता की आवाज को विधानसभा तक पहुंचाया जाए और आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड, युवाओं के लिए रोजगार, बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताएं हैं। इसके साथ ही अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग हमारी लड़ाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उत्तराखंड की बेटी को न्याय मिलना चाहिए और इस मामले में जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए।

शरद जैन ने कहा कि 'हर घर नमस्कार अभियान' केवल चुनावी जनसंपर्क नहीं, बल्कि जनता से सीधे जुड़ने, उनकी समस्याएं सुनने और उनके विश्वास को मजबूत करने का प्रयास है। आम आदमी पार्टी 2027 में उत्तराखंड की राजनीति में एक ईमानदार और जनहितकारी विकल्प के रूप में जनता के बीच जाएगी।

इस अभियान में प्रदेश कोषाध्यक्ष शरद जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम लाल नाथ,प्रदेश उपाध्यक्ष (महिला) श्रीमती ऊषा शर्मा,जिला अध्यक्ष (महिला) श्रीमती रेखा सिंह, जिला उपाध्यक्ष (महिला) श्रीमती अफसाना ,प्रदेश मीडिया प्रभारी विपिन खन्ना,प्रदेश संयुक्त सचिव सी पी सिंह, प्रदेश संयुक्त सचिव शैलेश तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ चलाया जा रहा है अभियान : गोदियाल

पौड़ी(आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष हस्ताक्षर अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चाकीसैंण की ओर से पैठाणी में हस्ताक्षर अभियान आयोजित हुआ। अभियान में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि अभियान विभिन्न क्षेत्रों में 18 नवंबर तक आयोजित होगा।गोदियाल ने कहा कि अभियान सरकार की जन विरोधी नीतियों और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चलाया जा रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, गणेश जोशी व डॉ. धन सिंह रावत के खिलाफ लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस अभियान के माध्यम से जनता के बीच पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार सहित जनहित से जुड़े अनेक मुद्दों पर जवाबदेही तय करना आवश्यक है। बताया कि 2० नवंबर तक सभी जिलों से हस्ताक्षरयुक्त बैनर व पंपलेट कांग्रेस मुख्यालय में जमा किए जाएंगे। 23 नवंबर को कांग्रेस राजभवन तक पदयात्रा निकालेगी। जहां हस्ताक्षरयुक्त बैनर व पंपलेट राज्यपाल को सौंपकर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच और कार्रवाई की मांग करेगी। 25 से 3० नवंबर तक प्रदेश के सभी जिलों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

सेमी ग्वाड़ में एक साल बाद शुरू होगी वीबीजीरामजी योजना

चमोली(आरएनएस)। तहसील जिलासू के ग्राम पंचायत सेमी ग्वाड़ के ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर है। गांव में करीब एक साल बाद जल्द ही वीबीजीरामजी योजना के कार्य शुरू होंगे। ऐसे में अब ग्रामीणों के जॉब कार्ड बनने शुरू हो गए हैं। इसके बाद विभिन्न कार्यों का जीयो टैग करने के बाद कुछ दिनों में कार्य भी शुरू हो जाएंगे।नगर पालिका कर्णप्रयाग से अलग हुए सेमी ग्वाड़ ग्राम पंचायत के गठन के बाद भी वीबीजीरामजी योजना में लोगों को रोजगार नहीं मिल पाया। नई पंचायत गठन के बाद ग्रामीणों का जॉब कार्ड बनाने वाला पोर्टल खुल नहीं पा रहा था। वहीं लंबे समय बाद जब पोर्टल खुला तो ग्रामीणों के बैंक खाते नहीं चढ़ पा रहे थे। इसके बाद कई ग्रामीणों को नए खाते खोलने पड़े। ऐसे में अब जॉब कार्ड बनने लग गए हैं। अभी तक सौ से अधिक ग्रामीणों के जॉब कार्ड बन चुके हैं। खंड विकास अधिकारी दिनेश नेगी ने बताया कि ग्राम प्रधान की ओर से कार्य प्रस्तावित करने के बाद कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। वहीं जॉब कार्ड बनने का कार्य भी जारी है।

डीयू के छात्रों ने जाना खगोल विज्ञान और संस्कृति का महत्व

देवप्रयाग(आरएनएस)। दिल्ली विश्वविद्यालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र से जुड़े छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के दल ने देवप्रयाग तीर्थ और नक्षत्र वेधशाला का भ्रमण कर प्राचीन भारतीय ज्ञान, संस्कृति और खगोल विज्ञान की जानकारी ली। इस दौरान विद्यार्थियों ने दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियों और प्राचीन खगोलीय यंत्रों का अवलोकन किया। दल ने भागीरथी और अलकनंदा के संगम पर नदी संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन की महत्ता को समझा। दल की अगुवाई कर रहीं प्रो. वंदना गुप्ता ने बताया कि विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली से परिचित कराने के लिए तपोवन, नीलकंठ महादेव, देवप्रयाग संगम और प्राचीन रघुनाथ मंदिर का भ्रमण कराया गया। छात्र प्रमुख अंशिका ने कहा कि इस यात्रा से विद्यार्थियों को प्राचीन ग्रंथों, खगोलीय यंत्रों और तीर्थ स्थलों के पौराणिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जानकारी मिली।

उत्कृष्ट योगदान के लिए 13 विभूतियों को नंदा गौरव सम्मान

चमोली(आरएनएस)। पर्यावरण संवर्द्धन, पर्यटन एवं विकास मेले का बृहस्पतिवार को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के साथ समापन हो गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 13 प्रतिभाओं को नंदा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। मेले के शुभारंभ पर राजकीय इंटर कॉलेज चौरासैंण सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान महिला मंगल दल देवलकोट का भोटिया नृत्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। विद्यालयी स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में जीआईसी नैनी ने प्रथम, एसजीआरआर देवलकोट ने द्वितीय तथा राजकीय इंटर कॉलेज चौरसैंण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेला समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में राजेश्वरी पंवार और मुकेश कुंवर, संगीत के लिए सरिता बेनौला, गिरीश नेगी और गोपाल सिंह, खेल में पुष्कर सिंह भंडारी, पवन सिंह नेगी और खुशबू सहित 13 को नंदा गौरव सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में लोकगायिका सरिता बैनोला के गीतों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। मेला समिति के अध्यक्ष विनोद मालई, मैती संस्था के संस्थापक कल्याण सिंह रावत, जिपंस विशंभरी देवी, गैरसैंण के कनिष्ठ उप प्रमुख हरदेव सिंह, टीका प्रसाद मैखुरी और जगदीश बहुगुणा आदि मौजूद थे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दलीप रावत की चुनौती के बाद हरक सिंह का पलटवार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में इन दिनों मुद्दों से ज्यादा नेताओं के बयानों, पुराने विवादों और एक-दूसरे के राजनीतिक अतीत की चर्चा हो रही है। इस सियासी शोर के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हरक का कहना है कि उनके पास सबकी जन्मकुंडली है, लेकिन वह अपनी मर्यादा में रहते हैं। सवाल यह है कि आखिर हरक किसकी जन्मकुंडली की बात कर रहे हैं? उनके पास ऐसे कौन से राज हैं, जिन्हें सार्वजनिक करने से वह अब तक बचते रहे हैं? और क्या यह महज राजनीतिक पलटवार है या फिर उत्तराखंड की सियासत में किसी बड़े खुलासे की भूमिका?

हरक सिंह रावत का यह बयान यूं ही नहीं आया है। इसके पीछे भाजपा विधायक महंत दलीप सिंह रावत के साथ शुरू हुई जुबानी जंग है। लैंसडाउन से भाजपा विधायक दलीप रावत ने हरक सिंह रावत को घेरते हुए उनके चरित्र को लेकर उठ रहे सवालों पर सार्वजनिक चुनौती दे डाली। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल से यहां तक कह दिया कि वह मां धारी देवी के दरबार में जाकर शपथ लें कि हरक सिंह रावत चरित्रवान व्यक्ति हैं और वह उनके चरित्र की गारंटी लेते हैं। दलीप रावत ने इस पूरे विवाद में हरक सिंह को सीधे निशाने पर रखा। उनके बयान में राजनीतिक हमला कम और व्यक्तिगत आरोपों की तल्खी ज्यादा दिखाई दी। यही वह मोड़ था, जहां हरक सिंह रावत ने भी चुप रहने के बजाय अपने पुराने राजनीतिक अंदाज में पलटवार किया।

हरक ने दलीप रावत को जवाब देते हुए उनके परिवार के साथ अपने पुराने संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दलीप रावत के पिता का वह सम्मान करते थे और यदि जवाब देना होता तो उन्हें देते। अपने राजनीतिक अतीत का हवाला देते हुए उन्होंने लैंसडाउन में दलीप रावत और उनके पिता को चुनाव में हराने की बात भी कही। लेकिन उनके बयान का सबसे चर्चित हिस्सा वह था, जिसमें उन्होंने कहा कि उनके पास सबकी जन्मकुंडली है। उनके पास बहुत कुछ है, लेकिन वह अपनी मर्यादा में रहते हैं। यदि वह थोड़ा भी इशारा कर दें तो कई लोगों को परेशानी हो सकती है। यही बात अब उत्तराखंड की राजनीति में चर्चा का विषय बन गई है।

हरक सिंह रावत उत्तराखंड की राजनीति के उन नेताओं में हैं, जिन्होंने सत्ता के लगभग हर रंग को करीब से देखा है। भाजपा से लेकर कांग्रेस तक और सत्ता से विपक्ष तक उनका लंबा राजनीतिक सफर रहा है। वह अलग-अलग सरकारों में मंत्री रहे हैं। सत्ता के गलियारों में उनकी सक्रियता और राजनीतिक संपर्कों का दायरा भी किसी से छिपा नहीं है। राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहने वाले नेता के पास नेताओं, अधिकारियों, राजनीतिक फैसलों और सत्ता के भीतर की गतिविधियों से जुड़ी जानकारियां होना अस्वाभाविक नहीं है। लेकिन जब कोई नेता सार्वजनिक रूप से कहता है कि उसके पास सबकी जन्मकुंडली है और वह सिर्फ मर्यादा के कारण चुप है, तो सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर वह किन बातों की ओर इशारा कर रहा है। क्या उनके पास सत्ता में रहते हुए लिए गए फैसलों की जानकारी है? क्या उन्हें उन





◆बोले- मेरे पास बहुत कुछ है, लेकिन अपनी मर्यादा में हूं
◆आखिर किन राजों की ओर इशारा कर रहे हैं कांग्रेस नेता

राजनीतिक समझौतों और अंदरूनी घटनाक्रमों का पता है, जिनकी चर्चा कभी सार्वजनिक मंचों पर नहीं हुई? क्या वह अपने विरोधियों के पुराने राजनीतिक आचरण और विवादों की ओर संकेत कर रहे हैं? या फिर यह केवल विरोधियों को मनोवैज्ञानिक दबाव में लेने का उनका राजनीतिक तरीका है? इन सवालों के जवाब फिलहाल हरक सिंह रावत ने नहीं दिए हैं। उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम लेकर कोई आरोप भी नहीं लगाया है। लेकिन उनका बयान इतना जरूर संकेत देता है कि वह अपने राजनीतिक विरोधियों की बयानबाजी को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं।

हरक सिंह रावत का यह पहला मौका नहीं है, जब उन्होंने अपने पास कई राज होने और जरूरत पड़ने पर खुलासा करने की बात कही हो। सितंबर 2024 में ईडी की पूछताछ के बाद भी उन्होंने तीखे तेवर दिखाए थे। उस समय उन्होंने कहा था कि अब तक वह शांत थे, लेकिन अब चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि जिनके घर शीशे के होते हैं, उन्हें दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। उनका दावा था कि यदि उन्होंने मुंह खोल दिया तो देहरादून से दिल्ली तक की राजनीति में भूचाल आ सकता है। उन्होंने उस समय यह भी कहा था कि मनी लान्ड्रिंग की जांच करानी है तो सबकी कराई जाए। हालांकि, उस बयान के बाद भी उन्होंने किसी कथित राज को सार्वजनिक नहीं किया। अब एक बार फिर जन्मकुंडली का जिक्र करके उन्होंने सियासी बहस को गर्म कर दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या हरक सिंह के पास वाकई कोई ऐसी जानकारी है, जिसे वह समय आने पर सार्वजनिक करना चाहते हैं या फिर यह उनके राजनीतिक व्यक्तित्व का वह अंदाज है, जिसमें वह विरोधियों को यह एहसास कराते हैं कि उनके पास भी जवाब देने के लिए बहुत कुछ है?

इस पूरे घटनाक्रम को 2027 के विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में भी देखना होगा। उत्तराखंड में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक मुकाबला लगातार तीखा हो रहा है। अंकिता भंडारी प्रकरण, असम की युवती से जुड़ा पुराना मामला, नेताओं के खिलाफ उठ रहे सवाल और सरकार के कामकाज को लेकर आरोप-प्रत्यारोप ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर रखा है। असम की युवती से जुड़े 2003 के पुराने प्रकरण को लेकर भी हरक सिंह रावत भाजपा के निशाने पर हैं। हरक इस मामले को अंकिता भंडारी प्रकरण से जोड़कर भाजपा पर राजनीतिक ध्यान भटकाने का आरोप लगाते रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा इस पुराने प्रकरण को लेकर सवाल उठा रही है। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी हरक सिंह पर राजनीतिक हमले कर चुके हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल हरक के बचाव में उतर चुके हैं। ऐसे में भाजपा विधायक दलीप रावत का ताजा हमला केवल एक विधायक और पूर्व मंत्री के बीच का विवाद नहीं रह जाता, बल्कि यह भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही बड़ी राजनीतिक लड़ाई का हिस्सा बन जाता है। हरक सिंह रावत के बयान का सबसे दिलचस्प पहलू यही है कि वह एक तरफ सबकी जन्मकुंडली होने का दावा कर रहे हैं और दूसरी तरफ मर्यादा का हवाला देकर चुप रहने की बात कह रहे हैं। राजनीति में इस तरह के बयान दो तरह के संदेश देते हैं। पहला, विरोधियों को यह चेतावनी कि उनके पास भी पलटवार के लिए पर्याप्त सामग्री है। दूसरा, अपने समर्थकों को यह भरोसा कि वह राजनीतिक हमलों से घबराने वाले नहीं हैं।

लेकिन लोकतंत्र में केवल जन्मकुंडली होने का दावा पर्याप्त नहीं होता। यदि किसी नेता के पास भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग, राजनीतिक लेनदेन या किसी गंभीर अनियमितता से जुड़े तथ्य हैं तो उन्हें सार्वजनिक करना और संबंधित जांच एजेंसियों तक पहुंचाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। केवल संकेतों और इशारों से न तो आरोप साबित होते हैं और न ही जनता के सवालों का जवाब मिलता है। हरक सिंह रावत को भी यह स्पष्ट करना होगा कि उनकी जन्मकुंडली में आखिर ऐसा क्या है, जिसे लेकर वह बार-बार संकेत देते हैं। यदि कोई ठोस तथ्य हैं तो उन्हें सामने आना चाहिए। और यदि यह केवल राजनीतिक बयानबाजी है तो फिर इसे भी उसी नजर से देखा जाएगा।उत्तराखंड की राजनीति में हरक सिंह रावत को उनके बेबाक अंदाज, तीखे बयानों और राजनीतिक दांव-पेच के लिए जाना जाता है। लेकिन इस बार उनके बयान ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है।फिलहाल हरक ने पत्ते नहीं खोले हैं। लेकिन इतना जरूर है कि उन्होंने अपनी एक टिप्पणी से उत्तराखंड की सियासत में अटकलों का नया दरवाजा खोल दिया है। 2027 के चुनाव से पहले यह जन्मकुंडली वाला बयान आने वाले दिनों में और राजनीतिक रंग ले सकता है।

बच्चों के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है, इसलिए उनके लिए स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुनते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए। गलत प्रोडक्ट्स से उनकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप बच्चों के लिए सुरक्षित और असरदार स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुन सकते हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने बच्चे की त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बना सकते हैं।

प्राकृतिक सामग्री वाले प्रोडक्ट्स चुनें : बच्चों के लिए हमेशा प्राकृतिक चीजों से बने स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुनें। ये प्रोडक्ट्स बिना किसी हानिकारक रसायनों के बने होते हैं और बच्चों की त्वचा पर बहुत हल्के होते हैं। प्राकृतिक चीजें जैसे एलोवेरा, नारियल तेल, गुलाब जल आदि से बने प्रोडक्ट्स न केवल सुरक्षित होते हैं, बल्कि उनकी त्वचा को पोषण भी देते हैं। इसके अलावा ये प्रोडक्ट्स एलर्जी और जलन का खतरा कम करते हैं, जिससे आपकी चिंता भी कम होती है।

पैकेजिंग पर ध्यान दें: बच्चों के स्किन केयर प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। ऐसी पैकेजिंग चुनें जो साफ-सुथरी हो और उसमें सभी सामग्री की जानकारी स्पष्ट रूप से लिखी हो। इसके अलावा पैकेजिंग ऐसी होनी चाहिए, जिससे प्रोडक्ट्स सुरक्षित रहें और उनमें कोई मिलावट न हो। ध्यान रखें कि प्रोडक्ट्स की बोतल या ट्यूब सील्ड हो ताकि उनमें कोई धूल या बैक्टीरिया न जा सकें। इसके साथ ही पैकेजिंग नाजुक हो ताकि टूटने का खतरा न रहे।

आयु वर्ग का ध्यान रखें: बच्चों के लिए अलग-अलग उम्र के हिसाब से स्किन केयर प्रोडक्ट्स उपलब्ध होते हैं। नवजात शिशुओं के लिए अलग, छोटे बच्चों के लिए अलग और बड़े बच्चों के लिए भी अलग तरह के प्रोडक्ट्स होते हैं। इसलिए खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि प्रोडक्ट्स उस उम्र के हिसाब से बने हों, जिससे आपका बच्चा संबंधित है। इससे आपको सही प्रकार के प्रोडक्ट्स मिलेंगे, जो आपके बच्चे की त्वचा की जरूरतों को पूरा करेंगे।

एलर्जी टेस्ट कराएं: कोई भी नया स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से पहले छोटे हिस्से पर एलर्जी टेस्ट जरूर कराएं। इसके लिए आप बच्चे की कलाई या पीठ पर थोड़ी मात्रा में प्रोडक्ट लगाएं और 24 घंटे तक देखें कि कहीं कोई जलन या लालिमा तो नहीं हुई। अगर ऐसा कुछ नहीं होता तो ही प्रोडक्ट का पूरा इस्तेमाल करें। इससे आपको यह पता चलेगा कि प्रोडक्ट बच्चे की त्वचा के लिए सुरक्षित है या नहीं।

ब्रांड विश्वसनीय होना चाहिए: हमेशा भरोसेमंद ब्रांड्स द्वारा बनाए गए स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदें। अच्छे ब्रांड्स अपनी गुणवत्ता पर ध्यान देते हैं और हानिकारक रसायनों का उपयोग नहीं करते। इसके अलावा उनके प्रोडक्ट्स की जांच और परीक्षण भी होते रहते हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता बनी रहती है। इस तरह आप इन सरल लेकिन प्रभावी टिप्स को अपनाकर अपने बच्चे के लिए सही और सुरक्षित स्किन केयर प्रोडक्ट्स चुन सकते हैं, जो उसकी त्वचा को पोषण देंगे और उसे स्वस्थ बनाए रखें।

बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना है तो आजमाएं ये गतिविधियां

बच्चों में किताब पढ़ने की आदत डालना एक जरूरी कदम है। यह न केवल उनके ज्ञान को बढ़ाता है, बल्कि उनकी कल्पना शक्ति और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी मजबूत करता है। किताबें पढ़ने से बच्चे नई चीजें सीखते हैं और उनके सोचने-समझने की क्षमता में भी सुधार होता है। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार गतिविधियों के बारे में जानेंगे, जो बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

किताबों की दुनिया से परिचित कराएं: बच्चों को किताबों की दुनिया से परिचित कराने के लिए सबसे पहले उन्हें किताबों से जोड़ें। घर पर ही छोटे-छोटे किताबों का एक कोना बनाएं, जहां वे आसानी से बैठकर किताबें देख सकें। किताबों का चुनाव ऐसा करें, जो उनकी उम्र और रुचियों के अनुसार हों। इससे बच्चे किताबों के करीब आएंगे और उनमें पढ़ने की आदत बनेगी। इसके अलावा उन्हें कहानियों और चित्रों वाली किताबें दें, जो उनकी कल्पना शक्ति को बढ़ावा देंगी।

रोजाना कहानी सुनाएं: रोजाना कहानी सुनाना एक अच्छी आदत हो सकती है, जो बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। सोते समय या शाम के समय कहानियां सुनाने का समय निकालें और इसमें बच्चों को भी शामिल करें ताकि वे खुद भी कहानी सुनाने की कोशिश करें। इससे उनकी भाषा क्षमता भी बढ़ेगी और वे किताबों की कहानियों में रुचि लेने लगेंगे। आप उनकी पसंदीदा किताबों का चयन कर सकते हैं, जिससे वे और भी ज्यादा प्रेरित होंगे।

पुस्तकालय जाना सिखाएं: पुस्तकालय जाना सिखाना बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यहां वे अलग-अलग प्रकार की किताबें देख सकते हैं, जिनसे उनकी रुचि बढ़ेगी और वे नई चीजें सीख सकेंगे। पुस्तकालय में जाकर बच्चे खुद किताबें चुनना सीखते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके अलावा पुस्तकालय में बच्चों को अन्य पाठकों से मिलकर नई किताबों के बारे में जानने का मौका मिलता है। इससे उनकी सामाजिक क्षमता भी बढ़ती है।

किताबों पर चर्चा करें: किताबें पढ़ने के बाद उन पर चर्चा करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल बच्चों की समझ बढ़ेगी बल्कि वे अपने विचार साझा करना भी सीखेंगे। किताबों पर चर्चा करने से बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता में भी सुधार होता है। आप उनके साथ बैठकर किताबों के पात्रों, घटनाओं और संदेशों पर बात कर सकते हैं। इससे उनकी भाषा क्षमता भी बढ़ेगी और वे किताबों की कहानियों में रुचि लेने लगेंगे।

कार्बन क्रेडिट: भारत के लिए हरित अर्थव्यवस्था का नया स्वर्णिम अवसर

प्रकृति हमें विरासत में नहीं मिली है; हमने इसे आने वाली पीढ़ियों से उधार लिया है।

– मूल अमेरिकी कहावत

दुनिया आज जलवायु परिवर्तन के ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, बाढ़, सूखा और वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं हैं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी हैं। ऐसे समय में कार्बन क्रेडिट केवल एक वित्तीय साधन नहीं, बल्कि हरित विकास का नया मॉडल बनकर उभरा है।

भारत, जो दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, अब कार्बन मार्केट के माध्यम से आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम के माध्यम से भारतीय कार्बन मार्केट की आधारशिला रखी है और ऑफसेट मैकेनिज़्म को भी आगे बढ़ाया है।

कार्बन क्रेडिट क्या है?

सरल शब्दों में, यदि कोई व्यक्ति, किसान, उद्योग या संस्था वातावरण में कार्बन उत्सर्जन कम करती है या कार्बन को अवशोषित करने वाले कार्य करती है, तो उसे कार्बन क्रेडिट प्राप्त हो सकता है। सामान्यत: एक कार्बन क्रेडिट एक टन कार्बन डाइऑक्साइड (या उसके समतुल्य ग्रीनहाउस गैस) के उत्सर्जन में कमी, हटाने या बचाव का प्रतिनिधित्व करता है। यह व्यवस्था पर्यावरण संरक्षण को आर्थिक मूल्य प्रदान करती है।

भारत के लिए सुनहरा अवसर

भारत के पास विशाल कृषि भूमि, वन क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और युवा शक्ति है। यदि इन संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग किया जाए तो भारत कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

विशेष रूप से निम्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ हैं:

कृषि एवं प्राकृतिक खेती
वनीकरण एवं वृक्षारोपण
सौर एवं पवन ऊर्जा



लेखक : बलवंत सिंह बिष्ट

ग्रीन हाइड्रोजन
अपशिष्ट प्रबंधन
जैव ऊर्जा
ऊर्जा दक्ष उद्योग

सरकार ने इन क्षेत्रों के लिए कई क्रेडिटिंग पद्धतियों को स्वीकृति दी है ताकि स्वैच्छिक कार्बन परियोजनाओं को बढ़ावा मिल सके।

किसानों के लिए नई आय का स्रोत

भारतीय किसान केवल अन्नदाता ही नहीं बल्कि कार्बन संरक्षक भी बन सकते हैं।

यदि किसान:

पराली न जलाएँ,
प्राकृतिक खेती अपनाएँ,
मिट्टी में कार्बन बढ़ाएँ,
पेड़ लगाएँ,
जल संरक्षण करें,

तो वे भविष्य में कार्बन क्रेडिट से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए परियोजना पंजीकरण, मापन और सत्यापन जैसी प्रक्रियाएँ आवश्यक होती हैं।

उद्योगों के लिए अवसर

आज विश्वभर की कंपनियाँ नेट-ज़ीरो लक्ष्यों की दिशा में कार्य कर रही हैं। ऐसे में कार्बन क्रेडिट उद्योगों के लिए केवल अनुपालन का साधन नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का माध्यम भी बन गया है।

जिन उद्योगों का उत्सर्जन कम होगा, वे भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था में अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त कर सकते हैं। भारत का कार्बन बाज़ार इसी दिशा में विकसित किया जा रहा है।

चुनौतियाँ भी कम नहीं

कार्बन बाज़ार की सफलता के लिए आवश्यक है:

पारदर्शी सत्यापन
विश्वसनीय डेटा
किसानों की उचित भागीदारी
निष्पक्ष मूल्य निर्धारण
मजबूत नियामक व्यवस्था

विश्वसनीयता ही इस बाज़ार की सबसे बड़ी पूँजी होगी।

भारत की दिशा

भारत ने 2070 तक नेट-ज़ीरो का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में उल्लेखनीय कमी लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। भारतीय कार्बन मार्केट इन्हीं लक्ष्यों को समर्थन देने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक ढाँचा बन सकता है।

निष्कर्ष

कार्बन क्रेडिट केवल पर्यावरण की चर्चा नहीं है; यह भविष्य की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण समृद्धि, उद्योग, रोजगार और सतत विकास की नई दिशा है। यदि भारत विज्ञान, नीति और जनभागीदारी को साथ लेकर आगे बढ़े, तो हम केवल जलवायु परिवर्तन का समाधान ही नहीं देंगे, बल्कि दुनिया को हरित विकास का भारतीय मॉडल भी प्रदान करेंगे। धरती को बचाने का सबसे अच्छा समय बीत चुका है; दूसरा सबसे अच्छा समय आज है। हर पेड़ केवल ऑक्सीजन नहीं देता, वह भविष्य की अर्थव्यवस्था में एक संपत्ति भी बन सकता है। कार्बन क्रेडिट केवल एक बाज़ार नहीं, बल्कि प्रकृति और समृद्धि के बीच नई साझेदारी है।

लेखक परिचय:

संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Remedon Pvt. Ltd.

वे सतत विकास , कार्बन क्रेडिट, जलवायु परिवर्तन, हरित अर्थव्यवस्था, स्वस्थ्य विकास और नवाचार आधारित उद्यमिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं तथा भारत को वैश्विक ग्रीन इकोनॉमी में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं।

शब्द सामर्थ्य - 66

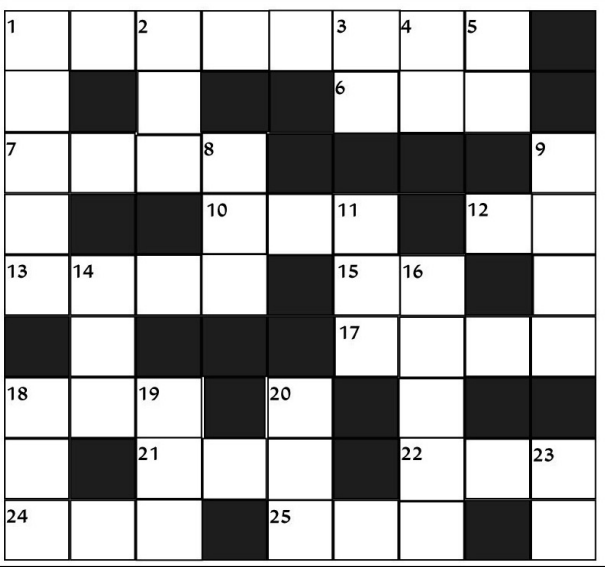
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

संजय मिश्रा की फिल्म तेरा साईं 5 फरवरी 2027 को होगी रिलीज

अभिनेता संजय मिश्रा अब तक अपने फिल्मी करियर में गंभीर से लेकर हास्य तक कई तरह की भूमिकाएं निभा चुके हैं। अब वह पहली बार बड़े पर्दे पर साईं बाबा के किरदार में नजर आएंगे। उनकी आगामी फिल्म तेरा साईं' की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है। इसमें संजय मिश्रा साईं बाबा के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनके आसपास कुछ अनुयायी भी नजर आ रहे हैं, जबकि एक छोटा बच्चा रोता हुआ दिखाई देता है। संजय मिश्रा का यह नया रूप दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। तेरा साईं' की कहानी साईं बाबा के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनसे जुड़ी चमत्कारिक घटनाओं पर आधारित होगी।

फिल्म का निर्देशन पलाश मुच्छल ने किया है, जबकि इसका निर्माण शैलेश एस. सांघवी के निर्माण संस्थान एस3 फिल्म्स के तहत किया गया है। फिल्म में संजय मिश्रा के अलावा सयाजी शिंदे, मनोज जोशी, ओंकार दास मानिकपुरी, अविका गौर और रोहन मेहरा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का वितरण सिनेपोलिस पूरे देश में करेगा। तेरा साईं' को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। यह फिल्म हिंदी, मराठी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साईं बाबा के जीवन और संदेशों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने वाली इस फिल्म से दर्शकों को एक अलग तरह की सिनेमाई अनुभूति मिलने की उम्मीद है।

नरेन वनपर्थी और साहिती अवंचा अभिनीत रोमांटिक फिल्म मेट्रो लवर टीज़र जारी

अभिनेता नरेन वनपर्थी और अभिनेत्री साहिती अवंचा की आगामी रोमांटिक फिल्म मेट्रो लवर' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। महेश नम्पल्ली के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण मल्या कंडुकुरी, शिवकुमार राजमपेटा, गड्डम रवि कुमार और संतोष जाधव ने किया है।

फिल्म का संगीत भीम सेसिरोलियो ने तैयार किया है। हाल ही में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में फिल्म का पहला दृश्य-प्रचार जारी किया गया। इस अवसर पर निर्देशक त्रिनाधा राव नक्कीना भी मौजूद रहे। उन्होंने अभिनेता नरेन के अभिनय के प्रति समर्पण की सराहना की। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी, छायांकन और भीम के संगीत को भी प्रभावशाली बताया। ऊरिकि उत्तरना' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले नरेन ने कहा कि मेट्रो लवर' की कहानी बिल्कुल अलग अंदाज में प्रस्तुत की गई है।

उनका मानना है कि फिल्म दर्शकों को चौंकाने के साथ ही मनोरंजन का नया अनुभव देगी। संगीतकार भीम सेसिरोलियो ने बताया कि फिल्म का निर्माण बेहद करीबी और समर्पित टीम के साथ किया गया है। इसकी मूल अवधारणा को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया गया। वहीं निर्देशक महेश नम्पल्ली ने कहा कि फिल्म में ऐसी कहानी दिखाई गई है, जिसे पहले इस अंदाज में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

आधुनिक महानगरीय परिवेश में रचे गए प्रेम और रिश्तों के ताने-बाने पर आधारित इस फिल्म से युवा दर्शकों को विशेष रूप से जुड़ने की उम्मीद है। अब दर्शकों को इसके प्रदर्शन का इंतजार है।

चौहान से अजय देवगन की पहली झलक वायरल, भारतीय सेना की वर्दी में आए नजर

अजय देवगन को आखिरी बार दृश्यम 3 में देखा गया था, जो इसी साल 2 अक्टूबर को रिलीज हुई। उसकी शानदार सफलता के बाद अभिनेता अपनी अगली फिल्म चौहान में जुट गए हैं। इसकी शूटिंग इन दिनों लद्दाख के कारगिल जिले में चल रही है। इस बीच फिल्म के सेट से अजय की एक तस्वीर सामने आई है, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही। इस तस्वीर में अभिनेता एक आर्मी अधिकारी के किरदार में दिख रहे हैं।

नीरज यादव के निर्देशन में बन रही चौहान एक एक्शन-ड्रामा है। फिल्म के सेट से अजय का अनदेखा लुक सामने आया है। इसमें उनका लुक पहले से दुबला-पतला नजर आ रहा है। सेना की वर्दी पहने अभिनेता के काले-सफेद बाल हैं और उन्होंने चश्मा पहना हुआ है। तस्वीर में उनके साथ कुछ अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धार्थ मल्होत्रा अभिनीत शेरशाह (2021) के बाद चौहान पहली हिंदी फिल्म है, जिसकी शूटिंग कारगिल में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, चौहान कश्मीर में 2018 के उग्रवाद की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जाती है।

शूटिंग पर अपडेट देते हुए एक सूत्र ने कहा, कलाकारों और क्रू ने कारगिल के ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व वाले क्षेत्रों में शूटिंग की, जिनमें नियंत्रण रेखा के पास स्थित हुंडरमन भी शामिल है। उन्होंने काक्सर गांव में भी फिल्मांकन किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग दिसंबर से होगी। बता दें कि चौहान 1 अक्टूबर, 2027 को रिलीज होगी।

कभी मॉडलिंग से भी घबराती थीं इलियाना!



फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें पहली ही फिल्म से दर्शकों का प्यार मिल जाता है लेकिन उस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं होता। इलियाना डिक्रूज भी ऐसी ही अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी जगह बनाई। रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म बर्फी में काम करने के बाद उनकी पहचान देशभर में हो गई। हालांकि, कैमरे के सामने आने से पहले इलियाना मॉडलिंग को लेकर भी सहज नहीं थीं। उन्हें शुरुआत में इस दुनिया में कदम रखने से डर लगता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने खुद को इस काम के लिए तैयार किया और पहली ही फिल्म से अवॉर्ड जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। इलियाना डिक्रूज का जन्म 1 नवंबर 1986 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा से जुड़ा है। जब इलियाना करीब 10 साल की थी, तब उनका परिवार गोवा चला गया। वहीं उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उनके परिवार में तीन भाई-बहन हैं। इलियाना का बचपन सामान्य तरीके से बीता और उस समय उन्होंने अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा था।

इलियाना की मॉडलिंग में एंट्री भी एक दिलचस्प घटना के बाद हुई। उनकी मां जिस होटल में काम करती थीं, वहां के एक मैनेजर ने इलियाना को देखा और उनकी मां को मॉडलिंग में करियर बनाने की सलाह दी। इसके बाद उनकी मां ने उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में इलियाना कैमरे के सामने आने में सहज नहीं थीं। साल 2003 में उनका पहला मॉडलिंग पोर्टफोलियो तैयार किया गया था लेकिन उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने बाद में इसे अपना खराब अनुभव बताया था। हालांकि, इसके बाद उन्होंने कुछ फोटोशूट और रैंप शो किए। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों में काम मिलने लगा।

मॉडलिंग के दौरान इलियाना को तेलुगु फिल्म देवदासु में काम करने का मौका मिला। साल 2006 में रिलीज हुई इस फिल्म से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र करीब 17 साल थी। फिल्म में उन्होंने भानुमति का किरदार निभाया था। यह एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसमें राम के साथ उनकी जोड़ी दिखाई दी थी। फिल्म को दर्शकों ने पसंद किया और इलियाना की एक्टिंग की भी तारीफ हुई। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला। पहली ही फिल्म से सम्मान मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

इसके बाद इलियाना ने तेलुगु सिनेमा में कई सफल फिल्मों में काम किया। पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। महेश बाबू, पवन कल्याण, रवि तेजा और अल्लू अर्जुन जैसे कलाकारों के साथ काम करके उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। साल 2012 में उन्होंने तमिल फिल्म ननबन में भी काम किया। इलियाना के करियर का सबसे बड़ा मोड़ साल 2012 में आया, जब उन्होंने अनुराग बसु की फिल्म बर्फी से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा थे। फिल्म में उन्होंने श्रुति घोष का किरदार निभाया था। यह एक ऐसी लड़की की कहानी थी, जिसकी जिंदगी में प्यार और रिश्तों को लेकर कई मुश्किलें आती हैं। फिल्म में इलियाना का किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में अहम था।

सृष्टि सिंह का तमिल डेब्यू, बोलीं- दर्शना सिर्फ मां नहीं, एक इंडिपेंडेंट महिला है



अभिनेत्री सृष्टि सिंह आगामी तमिल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म जॉन डो से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री दर्शना नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं।

सृष्टि ने बताया कि दर्शना का किरदार उन्हें इतना पसंद आया कि वह खुद को इस फिल्म को करने से रोक नहीं पाईं। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर वह खुद से अलग तरह का किरदार निभाना चाहती थीं और दर्शना का किरदार उनके लिए कुछ वैसा ही था।

उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी और दर्शना को समझा, तो जाना कि वह असल जिंदगी में मुझसे बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे पहले इस रोल की तरफ खींच लाई। अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा, हमारी इंडस्ट्री में कई बार एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से एक ही तरह के रोल में डाल दिया जाता है, लेकिन दर्शना एक ऐसी मां है, जिसने अपने जीवन में बहुत कुछ झेला है और अपने परिवार, पति और बच्चों से जुड़ी कई चुनौतियों से जूझ रही है। उसकी अपनी परेशानियां और अपने तजुर्बे हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि वह उनसे कैसे बाहर निकलती है। मेरे लिए दर्शना एक इंडिपेंडेंट महिला थी, जिसकी अपनी एक जर्नी है। मैंने उसे सिर्फ एक मां के नजरिए से नहीं, बल्कि इसी नजरिए से समझने की कोशिश की।

दर्शना एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है (जितना कोई सोच भी नहीं सकता), लेकिन इन सब दुखों के बावजूद वह अपने परिवार के लिए एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी रहती है।

मधुमिता द्वारा निर्देशित फिल्म में सृष्टि सिंह के अलावा, जारा विनीत चंदोके और नीरव जैसे कलाकार भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जिला अस्पताल में चाकूबाजी, युवक की मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। मोबाइल कारोबार में वर्चस्व और प्रतिस्पर्धा को लेकर दो दुकानदारों के बीच शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। पहले दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें चार लोग घायल हो गए। इसके बाद मेडिकल परीक्षण कराने जिला अस्पताल पहुंचे एक पक्ष के लोगों पर दूसरे पक्ष के 10 से 12 लोगों ने इमरजेंसी गेट पर हमला कर दिया। हमलावरों ने चाकुओं से वार कर 30 वर्षीय राजकुमार उर्फ नितेश कुमार की हत्या कर दी। अस्पताल परिसर में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से मरीजों और तीमारदारों में दहशत फैल गई।

मामला आज सुबह रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार जगतपुरा और आवास विकास क्षेत्र में मोबाइल की अलग-अलग दुकानें हैं। दोनों दुकानों के संचालक दिनेश जौहरी और अमन प्रजापति के बीच लंबे समय से व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा चली आ रही थी। इसी को लेकर आज सुबह दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। संघर्ष में चार लोग घायल हो गए। इस दौरान दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए गए। मारपीट में घायल एक पक्ष के लोग शिकायत लेकर आवास विकास पुलिस चौकी पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इसी बीच दूसरे पक्ष को भी इसकी जानकारी मिल गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष के 10 से 12 लोग जिला अस्पताल पहुंच गए और इमरजेंसी गेट के पास दोनों पक्षों के बीच दोबारा विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और हमलावरों ने राजकुमार उर्फ नितेश कुमार (30) पुत्र कमलेश जौहरी पर चाकुओं से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजकुमार को अस्पताल में बचाने के प्रयास किए गए, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल के इमरजेंसी गेट पर हुई इस वारदात से अफरा-तफरी मच गई।



हत्या की सूचना मिलते ही एसपी सिटी प्रमोद कुमार समेत तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग-अलग कर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि एसपी सिटी के मौके पर पहुंचने और घटना की जानकारी लेने के दौरान भी दोनों पक्षों के लोग फिर आमने-सामने आ गए। एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने बताया कि दो पक्षों के बीच हुए विवाद में घायल एक पक्ष के लोग मेडिकल कराने जिला अस्पताल पहुंचे थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के 10 से 12 लोगों ने वहां पहुंचकर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सू- दोकू क्र. 66

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

हरक सिंह पर लगे आरोपों को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस पर हमला

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट ने इस मामले में कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए हरक सिंह रावत को चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट ने कहा कि हरक सिंह रावत के खिलाफ सामने आए आरोप बेहद गंभीर हैं और इनकी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस महिला सम्मान और न्याय की बात करती है, लेकिन अपने ही वरिष्ठ नेता पर लगाए गए आरोपों को लेकर उसका रुख स्पष्ट क्यों नहीं है। उन्होंने कांग्रेस से इस पूरे मामले में जवाब देने की मांग की।

रुचि भट्ट ने जेनी नामक महिला की ओर से हरक सिंह रावत पर लगाए गए आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि महिला द्वारा सार्वजनिक रूप से सामने रखी गई बातें गंभीर और पीड़ादायक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा आरोप लगाने वाली महिला के न्याय पाने के अधिकार के साथ खड़ा है। साथ ही उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच और तथ्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद हरक सिंह रावत को चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर क्यों बनाए रखा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को इस मामले में सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष रखना चाहिए और संगठनात्मक स्तर पर उचित निर्णय लेना चाहिए। रुचि भट्ट ने मांग की कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हरक सिंह रावत से आरोपों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगें। उन्होंने कहा कि जब तक मामले की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक नैतिकता के आधार पर उन्हें महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारी से अलग करने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के महिला संगठन से भी इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

कस्बीनगर-विनायकधार सड़क निर्माण दो साल से अटका

चमोली(आरएनएस)। कस्बीनगर-विनायकधार पांच किमी सड़क का निर्माण वन भूमि की मंजूरी नहीं मिलने से अधर में है। सड़क बनने से थराली से ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण की दूरी 9० से घटकर 45 किमी रह जाएगी। साथ ही पिंडर और खंसर घाटी के 2० से अधिक गांवों की 12 हजार से अधिक आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी।पांच किमी सड़क में एक किमी लोनिवि थराली और चार किमी लोनिवि गैरसैंण के अंतर्गत है। पिंडर-खंसर संघर्ष समिति लंबे समय से इसके निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। विधायकों के आश्वासन पर अनशन समाप्त किया गया था लेकिन दो साल बाद भी निर्माण में प्रगति नहीं हुई। समिति सदस्यों ने सीमांत क्षेत्र की जरूरत को देखते हुए जल्द सड़क बनाने की मांग की है। वहीं लोनिवि गैरसैंण के अधिशासी अभियंता जगदीश प्रसाद थपलियाल ने बताया कि घना जंगल होने के कारण केंद्र सरकार ने पहली बार प्रस्ताव खारिज कर दिया था। जनदबाव के बाद सर्वेक्षण बदलकर प्रस्ताव वन विभाग को भेजा गया।

एसएसपी ने किया पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा पुलिस लाइन चंबा ग्राउंड में आयोजित शुक्रवार की साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जवानों एवं प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों के साथ मैदान में दौड़ लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा शारीरिक दक्षता, अनुशासन एवं टीम भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। परेड के दौरान प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों की सिखलाई एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके उपरांत एसएसपी द्वारा पुलिस लाइन मैस, बैरेक, फार्मेसी एवं जिम आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई। इस दौरान देहरादून में आयोजित राष्ट्रपति पुलिस कलर अलंकरण परेड में प्रतिभाग करने वाले जवानों की सराहना करते हुए उन्हें शाबाशी दी गई तथा उनका उत्साहवर्धन किया गया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने पुलिस लाइन में निवासरत पुलिस परिवार के बच्चों से भी बातचीत कर उनका हालचाल जाना गया।



कैंट विधानसभा में कांग्रेस ने हर्षोल्लास के साथ मनाया छठ महापर्व

संवाददाता

देहरादून। कैंट विधानसभा क्षेत्र के शास्त्री नगर, कांवली स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में कांग्रेस एक सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर द्वारा छठ महापर्व मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

आज यहां कैंट विधानसभा क्षेत्र के शास्त्री नगर, कांवली स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में कांग्रेस एक सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर द्वारा छठ महापर्व मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों एवं श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग कर छठ महापर्व की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर 200 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया। सभी ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त कर परिवार एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि छठ महापर्व हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, लोक आस्था, सामाजिक एकता एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी भाईचारे, सद्भाव और मिल-जुलकर रहने का संदेश देता है। उत्तराखंड की धरती पर विभिन्न प्रदेशों एवं संस्कृतियों के लोग आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ रहते हैं और ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक एकता को और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में अभिनव थापर के साथ वार्ड अध्यक्ष अनीता दास, विमलेश वर्मा, अवधेश कुमार, डॉ. दीपक बिष्ट, रूपम सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।



स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने कबाडी बाजार के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 9.95 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम वाहिद उर्फ शाहरूख पुत्र साजिद निवासी ब्रहामणवाला बताया।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने कुम्हारवाडा के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 35 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम उमेश कुमार पुत्र बालचंद निवासी बलिया उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घर से नगदी व मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर में घुसकर नगदी व मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विंडलास रिवर वैली कुआंवाला निवासी डा. सुचित्रा बैंजवाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कुआंवाला में उसकी मां का मकान है। चोरों ने उसकी मां के घर में घुसकर वहां से 11०० रूपये नगद व मोबाइल फोन चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जमीन के नाम पर ठगे पांच लाख

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर पांच लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगानगर निवासी सचिन जाटव ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गंगा नगर निवासी पियूष कुकरेजा व लच्छीवाला निवासी विश्वास गोयल ने उसको ऋषिकेश में एक जमीन दिखायी और जमीन के फर्जी दस्तावेज दिखाकर उससे पांच लाख रूपये ले लिये। जिसके बाद जब उसने अपने रूपये वापस मांगे तो उन्होंने उसको जान से मारने की धमकी दी।

सीएम की कुर्सी नहीं, सत्ता वापसी है...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

रहा है। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद कांग्रेस की राजनीति में वह लगातार महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। 2014 में विजय बहुगुणा के स्थान पर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया। 2016 में कांग्रेस विधायकों की बगावत और राष्ट्रपति शासन के बाद उन्होंने राजनीतिक संघर्ष करते हुए अपनी सरकार बचाई। लेकिन 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। खुद हरीश रावत हरिद्वार ग्रामीण और किच्छा दोनों सीटों से चुनाव हार गए। 2019 के लोकसभा चुनाव और 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें सफलता नहीं मिली। 2022 में लालकुआं से चुनाव हारने के बावजूद प्रदेश की राजनीति में उनका प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। आज भी कांग्रेस की राजनीति में हरीश रावत एक ऐसा चेहरा हैं, जिनकी प्रदेशव्यापी पहचान और समर्थकों का अपना आधार है। यही वजह है कि पार्टी की चुनावी रणनीति में उनकी भूमिका को लेकर लगातार चर्चा होती रहती है।

भाजपा विधायक के बयान पर भड़की...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कांग्रेस इस मुद्दे पर लगातार भाजपा को घेर रही है। पार्टी का आरोप है कि सरकार प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है। वहीं भाजपा कांग्रेस पर मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाती रही है। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की आहट के बीच अंकिता भंडारी हत्याकांड एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस के बीच बड़े राजनीतिक टकराव का मुद्दा बन गया है। भाजपा जहां अदालत से सजा मिलने और सरकार की ओर से परिवार को सहायता दिए जाने को अपनी कार्रवाई का प्रमाण बता रही है, वहीं कांग्रेस का जोर कथित वीआईपी की भूमिका और जांच की पारदर्शिता पर है। दिलीप रावत का ताजा बयान इस विवाद को एक नए मोड़ पर ले आया है। अब सवाल केवल यह नहीं है कि अंकिता के परिवार को कितना मुआवजा मिला, बल्कि यह भी है कि क्या आर्थिक सहायता का हवाला देकर परिवार की न्याय की मांग को कमजोर किया जा सकता है? अंकिता के परिवार को आर्थिक सहायता देना सरकार का दायित्व था। लेकिन आर्थिक मदद मिलने से न्याय की मांग समाप्त नहीं हो जाती। यही वह सवाल है, जिस पर भाजपा विधायक का बयान कांग्रेस के निशाने पर आ गया है।

अल्पसंख्यक आयोग में 31 में से 16 प्रकरणों का किया निस्तारण

संवाददाता

देहरादून। अल्पसंख्यक आयोग में 31 में से 16 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।



आज यहां सभागार अल्पसंख्यक कल्याण भवन शहीद भगत सिंह कालोनी अधोईवाला में कुल 31 प्रकरणों पर सुनवायी करते हुए 16 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। सुनवायी बैठक बलजीत सोनी, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें श्रीमती फरजनाना बेगम उपाध्यक्ष, गगनदीप सिंह बेदी, येशी थूप्तेन, नफीस अहमद, शारिक मलिक, शकील अहमद, श्रीमती फरहा, मेहबूब अली, आसिफ खान, सदस्य बरकत अली, सचिव अल्पसंख्याक आयोग, श्रीमती शमा प्रवीन वैयिक्तक सहायक, व दीपा बर्त्वाल कम्प्यूटर ऑपरेटर अल्पसंख्यक आयोग उपस्थित रहे। सुनवाई में जनपद देहरादून के शिकायती प्रकरणों श्रीमती कमलप्रीत कौर पत्नी राजवीर सिंह सहारनपुर रोड, श्रीमती सायरा बानो पत्नी अशरफ राव निवासी मेहूंवाला माफी व जाकिर पुत्र मौहम्मद रफीक निवासी ब्रहामणवाला, महबूब कालोनी शिकायती प्रकरणों में आयोग द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को स्वयं अथवा क्षेत्राधिकारी सदर को उपस्थित होने के निर्देश दिये गये थे। किन्तु पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा स्वंय उपस्थित न होते हुए उक्त तीनों प्रकरणों में एसआई ओमवीर सिंह को नामित किया गया, जिन्हें प्रकरण की जानकारी न होने के प्रकरण का निस्तारण किया जाना सम्भव नहीं हो पाया, जिस पर अध्यक्ष उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रकरण की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून को निर्देशित किया गया है कि उपस्थित होने हेतु निर्देशित करें। जनपद ऊधमसिंह नगर के हीरा सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी ग्राम डोहरा सिसईखोडा पोस्ट घुसरी तहसील सितारगंज व अध्यक्ष, गुरदयाल सिंह तथा सचिव कारज सिंह , गुरनवीत सिंह पुत्र भगवन्त सिंह निवासी केशवगढ किच्छा गदरपुर जिला ऊधमसिंह नगर, जनपद हरिद्वार से डॉ. सुमित अरोडा, एमडीएस निवासी बीकानेर मिष्ठान भंडार के निकट ओल्ड रानीपुर मोड हरिद्वार, जनपद देहरादून से आफताब अली सिददकी निवासी कारगी ग्रान्ट बंजारावाला रोड चानचक चौक, शराफत खान पुत्र शौकत निवासी बल्लूपुर रोड मित्र लोक कालोनी, फैजान अली व प्रार्थिनी जैबा परवीन पुत्र स्व. मतलूब हसन निवासी टाउन एरिया कार्यालय के पास डोईवाला हाल निवासी आईटी पार्क सहस्त्रधारा रोड, सुनील मैसी पुत्र स्व. ए मैसी निवासी राफेल रायडर चेशामय सेंटर लास्ट मोहनी रोड जांच आख्या उपलब्ध न कराये जाने पर आयोग द्वारा नाराजगी व्यक्त कर जांच आख्या सहित अगली सुनवाई एक दिसम्बर 2026 को अनिवार्य रूप से आयोग के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिये गये। साथ ही जनपद देहरादून से हरविन्दर सिंहख निवासी चंद्रेश्वर रोड ऋषिकेश के शिकायती प्रकरण में पुलिस क्षेत्राधिकारी, ऋषिकेश एवं थानाध्यक्ष ऋषिकेश के आयोग के समक्ष उपस्थित न होने तथा न ही जांच आख्या प्रतिनिधि नामित करने तथा न ही प्रकरण के संबंध में कोई पत्राचार किये जाने पर अध्यक्ष द्वारा अत्यन्त खेदव्यक्त कर प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश को जांच आख्या सहित तीन दिन के अन्दर आयोग के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिये गये। साथ ही श्रीमती कमलप्रीत कौर अरोडा के शिकायती प्रकरण में अपर जिलाधिकारी प्रशासन देहरादून द्वारा उपलब्ध करायी गयी जांच आख्या के आधार पर शिकायतकर्ती के आवास के सामने खडी गाडी को तीन दिन के अन्दर हटाये जाने की कार्यवाही कर आयोग को अवगत कराये जाने के निर्देश पुलिस क्षेत्राधिकारी सद को दिये गये। इसके अतिरिक्त जनपद हरिद्वार के शिकायती प्रकरण में संयुक्त मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा निर्धारित तिथि 16 नवम्बर को मौके पर उपस्थित होते हुए समस्या का समाधान कराये जाने अथवा समिति की जांच आख्या के आधार पर विपक्षीगणों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किये जाने के निर्देश प्रभारी निरीक्ष कोतवाली मंगलौर को दिये गये।

महिलाओं ने रेलवे उच्चाधिकारियों को चूड़ियां भेजकर जताया आक्रोश

रुद्रपुर(आरएनएस)। पंतनगर-नगला रेलवे स्टेशन पर रेलवे अंडरपास निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर गुरुवार को विधायक तिलकराज बेहड़ ने क्षेत्रीय ग्रामीणों के साथ दूसरी बार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व निर्धारित सूचना के बावजूद रेलवे के सक्षम अधिकारियों के धरनास्थल पर नहीं पहुंचने से विधायक खासे नाराज नजर आए। उन्होंने रेलवे विभाग के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताते हुए आगामी 25 नवंबर से जिलाधिकारी कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी।

रात की ड्यूटी करने वाले साइकिल सवार सुरक्षा गार्ड को 'रेड बैक टेल लाइट' उपलब्ध कराएगा देहरादून साइक्लिंग क्लब!

नगर संवाददाता

देहरादून। देहरादून में तेज रफ्तार कारों की आपसी रेस और लापरवाही के कारण साइकिल सवार गार्ड विनोद कुमार की दर्दनाक मौत की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। ड्यूटी समाप्त कर साइकिल से अपने घर लौट रहे विनोद कुमार को दो तेज रफ्तार कारों ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी जान चली गई। यह घटना केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा के प्रति गंभीर लापरवाही का उदाहरण है।

देहरादून साइक्लिंग क्लब के संस्थापक एवं अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह सहित क्लब के सभी सदस्य स्वर्गीय विनोद कुमार की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। क्लब अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों की तेज रफ्तार और सड़क पर रेस लगाने की मानसिकता के कारण एक मेहनतकश नागरिक को अपनी जान गंवानी पड़ी। शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों, स्टंटबाजी और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? क्या यातायात पुलिस और पुलिस प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है और इसकी कीमत आम नागरिक अपनी जान देकर चुका रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन एवं यातायात पुलिस से मांग की कि इस दुर्घटना के जिम्मेदार कार चालकों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाए। सीसीटीवी फुटेज सहित सभी साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कर जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को रोकने तथा रात्रि के समय साइकिल से आवागमन करने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देहरादून साइक्लिंग क्लब ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। क्लब देहरादून में रात्रि की ड्यूटी पर आने-जाने वाले सभी सुरक्षा गार्ड को नि:शुल्क रेड बैक टेल लाइट उपलब्ध कराएगा, ताकि रात के अंधेरे में पीछे से आने वाले वाहन चालकों को साइकिल स्पष्ट दिखाई दे सके और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। जो भी सुरक्षा गार्ड यह नि:शुल्क बैक टेल लाइट प्राप्त करना चाहते हैं, वे देहरादून साइक्लिंग क्लब के कार्यालय से संपर्क कर इसे प्राप्त कर सकते हैं।

अंकिता भंडारी प्रकरणः सीबीआई कोर्ट पहुंची उर्मिला सनावर

बोलीं- मुझे 25 लाख और स्कॉर्पियो का लालच दिया!



हमारे संवाददाता

देहरादून। अंकिता भंडारी मामले से चर्चा में आई अभिनेत्री उर्मिला सनावर एक बार फिर से अपने बयान दर्ज कराने देहरादून की सीबीआई कोर्ट पहुंची हैं। उर्मिला 23 अक्टूबर को कोर्ट में पेश हुई थीं। 26 अक्टूबर को सुनवाई होनी थी लेकिन इससे पहले ही हरिद्वार पुलिस ने दीपिका राठौर की शिकायत पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

जिसके बाद जमानत पर बाहर आई उर्मिला सनावर एक बार फिर से सीबीआई कोर्ट देहरादून पहुंची हैं। जहाँ उनके साथ यूकेडी देहरादून के कार्यकारी अध्यक्ष आशुतोष नेगी और संतोष भंडारी भी मौजूद रही। पेशी पर जाने के दौरान उर्मिला सनावर ने बीजेपी नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कई आरोप लगाए। उर्मिला ने कहा कि जब वह जेल में थी तो उन्हें डीएस रावत की तरफ से 25 लाख रुपए और स्कॉर्पियो कार का ऑफर दिया था। उर्मिला ने ये भी कहा कि सुरेश राठौड़ ने जेल में ही करवाचौथ का सामान भिजवाया था। उर्मिला भाजपा के झंडा लगे वाहन से कोर्ट पहुंचीं। कहा कि वह भाजपा की सक्रिय सदस्य हैं। उर्मिला सनावर ने आरोप लगाया कि जेल में उन्हें खाने-पीने की चीजों में कुछ दिया गया जिससे उन्हें चलने-फिरने में भी दिक्कत हो रही है।

विदित हो कि उत्तराखण्ड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में तीन लोगों की गिरफ्तारी के दौरान इस मामले में शामिल एक वीवीआईपी का नाम भी चर्चाओं में रहा था। हालांकि इस मामले में उक्त वीवीआईपी तक पुलिस कभी पहुंच नहीं पायी। न ही इस मामले में हत्याकांड से सम्बन्धि पुलकित आर्य का फोन बरामद कर सकी। जिससे शायद कुछ खुलासा हो सकता था। लेकिन बीते कुछ समय पूर्व एक बार फिर यह हत्याकांड चर्चाओं में आ चुका है। इस मामले में अभिनेत्री व भाजपा नेता सुरेश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर का जो बयान कथित वीवीआईपी को लेकर सामने आया उसने उत्तराखण्ड की राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर भूचांल लाकर खड़ा कर दिया। हालांकि इस मामले में बीते दिनो उर्मिला सनावर की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिसे आज न्यायालय में पेश होना था।

12 साल की बच्ची से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रुड़की में एक 12 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ कथित अपहरण और दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसे एक कैफे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी किशोरी को वहीं छोड़कर फरार हो गया। घर पहुंचने पर किशोरी ने परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मामला सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र का है। पुलिस को दी गई शिकायत में किशोरी के पिता ने बताया कि बीती 9 नवंबर को उनकी 12 वर्षीय बेटी घर से बाहर गई थी। इसी दौरान एक युवक कथित तौर पर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवक उसे एक कैफे में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। शिकायत के अनुसार, घटना के बाद आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही किसी को भी इस बारे में बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देकर उसे डराने का प्रयास किया। हालांकि, किशोरी घर पहुंची और उसने अपने परिजनों को पूरी आपबीती बता दी। इसके बाद परिजन तत्काल कोतवाली पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी।



मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रकरण में पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। रुड़की की सीओ ओशिन जोशी के मुताबिक, नाबालिग से जुड़े गंभीर मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत, चार घायल

हमारे संवाददाता

देवप्रयाग। सड़क हादसे में आज सुबह दो कारों की आमने-सामने भिड़त हो जाने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गयी वही चार लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों का उपचार जारी है। मामला ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग का है। यहां आज सुबह एक स्कॉर्पियो और अर्टिगा कार के बीच आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। जिसमे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंजाब से आ रही स्कॉर्पियो ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर जा रही थी। जिसमें सात व्यक्ति सवार थे। इसी दौरान श्रीनगर से ऋषिकेश की तरफ जा रही एक अर्टिगा कार से गंगा दर्शन होटल के पास उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुचकर स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। स्कॉर्पियो में सवार लोगों में से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।



प्रदेश के 12 असंचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आगामी शैक्षिक सत्र से होंगे संचालित

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन ने 12 असंचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को आगामी शैक्षिक सत्र से संचालित किए जाने का निर्णय लिया है।

इसके तहत जनपद पिथौरागढ़ के डीडीहाट विकासखंड के अंतर्गत थल एवं मूनाकोट विकासखंड के अंतर्गत बढ़ावे, जनपद पौड़ी गढ़वाल के द्वारीखाल विकासखंड के अंतर्गत द्वारीखाल एवं पौड़ी विकासखंड के अंतर्गत पौड़ी (परसुंडाखाल), जनपद चमोली के देवाल विकासखंड के अंतर्गत देवाल एवं घाट विकासखंड के अंतर्गत घाट, जनपद चम्पावत के बाराकोट विकासखंड के अंतर्गत बाराकोट, जनपद हरिद्वार के बहादराबाद विकासखंड के अंतर्गत लालढांग, जनपद देहरादून के चकराता विकासखंड के अंतर्गत लाखामंडल, जनपद बागेश्वर के गरुड़ विकासखंड के अंतर्गत गरुड़, जनपद टिहरी गढ़वाल के नरेंद्रनगर विकासखंड के अंतर्गत रणाकोट, जनपद ऊधमसिंहनगर के रुद्रपुर विकासखंड के अंतर्गत किच्छा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का संचालन किया जाएगा।

इस संबंध में सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन सी. रवि शंकर ने निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, नैनीताल को प्रेषित पत्र कर प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के संचालन एवं बंद किए जाने के संबंध में प्राप्त प्रस्तावों और तथ्यों का परीक्षण करने के उपरांत 12 असंचालित राजकीय आईटीआई को समस्त आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए आगामी शैक्षिक सत्र से संचालित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों के संचालन से संबंधित क्षेत्रों के युवाओं को अपने आसपास ही व्यावसायिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे युवाओं के कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार खाई में गिरी, तीन लोग घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक कार के खाई में गिर जाने से दो महिलाओं सहित तीन लोग से घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

सड़क हादसे का यह मामला कीर्तिनगर के जियंलगढ़ का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग पौने ग्यारह बजे थाना कीर्तिनगर क्षेत्रांतर्गत जियंलगढ़ में होटल पिकनिक के समीप एक स्विफ्ट कार के अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में गिरने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना कीर्तिनगर से एसएसआई कुंवर राम आर्य पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम ने देखा कि उक्त स्विफ्ट कार सड़क से लगभग 30 मीटर नीचे खाई में पेड़ों के बीच गिरी हुई थी।



पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया और खाई में उतरकर कार में फंसे व्यक्तियों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकालने की कार्रवाई की। कार में कुल तीन लोग सवार थे, जिनमें चालक, उसकी पत्नी एवं उसकी 78 वर्षीय बुजुर्ग माता शामिल थीं। पुलिस टीम द्वारा त्वरित एवं समन्वित रेस्क्यू प्रयास करते हुए तीनों व्यक्तियों को कार से बाहर निकाला गया। हादसे में कार चालक एवं उसकी पत्नी सुरक्षित पाए गए, जबकि कार में सवार 78 वर्षीय बुजुर्ग महिला श्रीमती शंकरी देवी की स्थिति गंभीर थी। पुलिस द्वारा तत्काल 112 की सहायता से गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार हेतु श्रीकोट, श्रीनगर अस्पताल भिजवाया गया।

कार सवार लोगों के नाम किशनलाल पुत्र स्वर्गीय देवी प्रसाद, उम्र 58 वर्ष, निवासी गंगोत्री विहार, जोगीवाला, देहरादून, श्रीमती ममता कपरवान पत्नी किशनलाल, उम्र 52 वर्ष व श्रीमती शंकरी देवी पत्नी स्वर्गीय देवी प्रसाद, उम्र 78 वर्ष बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।